>

Title: Issue regarding Public Distribution System in the country.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद): महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। सेवानिवृत न्यायमूर्ति श्री डी. पी. वाधवा के द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली और उसके संचालन पर की गयी टिप्पणी के विरोध में देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। ऑल इंडिया फेडरेशन, जो पीडीएस का है, उनका कहना है कि श्री वाधवा ने अभी चल रही तीन लाख राशन की दुकानों को बंद करने की सिफारिश की है। लगभग 25 लाख परिवार इन दुकानों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आश्रित हैं। वे इससे प्रभावित होंगे। इससे 25 लाख परिवारों पर असर पड़ने वाला है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दुकानदार पिछले तीस-चालीस वर्षों से व्यापार कर रहे हैं। कुछ एक दुकानदारों के द्वारा किए गए गलत कामों की सजा पच्चीस लाख परिवारों को नहीं देनी चाहिए, यह मेरा कहना है। कल भी दिल्ली में काफी बड़ा प्रदर्शन हुआ और न्याय की मांग के लिए फेडरेशन, पीडीएस की सभा हुयी थी। हम बहुत से सांसद वहां जाकर ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप सरकार से क्या मांग रहे हैं?

श्री चंद्रकांत खैरे : महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से विनम्र निवेदन है कि पीडीएस सिस्टम को दुरूस्त किया जाना चाहिए। इसे बंद नहीं किया जाना चाहिए। इसके लिए इनकी कुछ डिमांड्स हैं। फेयर प्राइस शाप्स के रोजगार को संरक्षित करना, राशन कार्ड पर केरोसीन, शुगर और अन्य 14 जीवनोपयोगी वस्तुं उपलब्ध करें। राशन शॉप्स में पोस्टल टिकट्स, रेलवे टिकट्स सेल की अनुमति देकर अच्छा कमीशन दें। अंत में, कमीशन बढ़ाने के संबंध में कहूंगा और राज्यों को निर्देश दिया जाना चाहिए।